**श्री ऋण असुली पुनरावेदन न्यायाधिकरणमा पेस गरेको**

**निवेदन पत्र**

**विषय** : मुद्दा मुलतबीमा राखिपाऊँ।

मुद्दा नं.–

.............. को छोरा/..........जिल्ला……..….....न.पा./ गा.पा...............वडा नं. ...........

बस्ने वर्ष .... को ………...............................................................................१ **निवेदक/**

विरुद्ध

 .............. को छोरा/..........जिल्ला……..….....न.पा. / गा.पा...............वडा नं. ...........

बस्ने वर्ष .... को ………...............................................................................१ **विपक्षी/**

मुद्दा– ...........

निवेदनबापत लाग्ने दस्तुर रु.१०।– साथै राखी निम्नानुसार निवेदन गर्दछु/गर्दछौं :–

१. प्रस्तुत मुद्दा यस ऋण असुली पुनरावेदन न्यायाधिकरणमा दायर भई कारबाहीयुक्त अवस्थामा रहेको छ। निम्न कारण परेकोले उल्लिखित मुद्दा मुलुकी देवानी कार्यविधि (संहिता) ऐन, २०७४ को दफा २०१ बमोजिम मुलतबीमा राखिपाऊँ।

**मुलतबी रहनुपर्ने कारण**

(क) ........................ अदालत / न्यायाधिकरणमा कारबाहीयुक्त अवस्थामा रहेको वादी ............................... प्रतिवादी ................................... भएको ........... सालको मु.नं. .................... को .............................. मुद्दा प्रस्तुत मुद्दासँग अन्तरप्रभावी रहेकाले सो मुद्दा फैसला नहुन्जेलसम्मका लागि।

(ख) ............................................

**संलग्न कागजात**

........................................

२. लेखिएको बेहोरा ठिक साँचो हो फरक ठहरे कानूनबमोजिम सहुँला बुझाउँला।

निवेदक

.....................

इति संवत् ............. साल ............. महिना ... गते रोज .... शुभम् ...............................।